मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांक: 07 अक्टुबर 2014

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	07-10-14	08-10-14	09-10-14	10-10-14	11-10-14
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	38	38	38	37	37
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	23	22	22	23	21
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	0	0	0	0	1
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	58	54	49	46	42
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	23	20	22	19	15
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	4	5	6	4	6
हवा की दिशा	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम	पूर्व–दक्षिण–पूर्व	दक्षिण–पूर्व	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम	पूर्व–उत्तर–पूर्व

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाह :

फसल कटाई के लिये मौसम उपयुक्त है। जिन किसानो की खरीफ दलहनी फसलों की फलियां पक गई हो तो उनकी तुड़ाई करें तथा फसलो को पकते ही उनकी कटाई करके सुरक्षित स्थान पर रखे।

बाजरा की फसल पक गई हो तो उसकी कटाई करें व सुरक्षित स्थान पर रखें।

सरसों की बुवाई के लिए तापमान उपयुक्त नही है। अतः इस समय बुवाई न करें। आवश्यक आदानों की अग्रिम व्यवस्था कर ले। बायो–902, आर.एच.–30, आर. एच–819, टी–59 सरसों की उन्नत किस्मे हैं।

सरसों की फसल को सफेद रोली रोग से बचाने के लिए बुवाई से पहले बीज को 6 ग्राम मैटेलेक्जिल (एप्रोन 35 एस.डी.) प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें।

गर्मी व आर्द्रता जनित रोग कॉलीबेसिलोसिस, साल्मोनेलोसिस एंव गलघोटूं व ठप्पा रोग के फलैने की संभावना भी अत्याधिक रहती है। अतः समय रहते इनके टीके अवश्य लगवा लें।